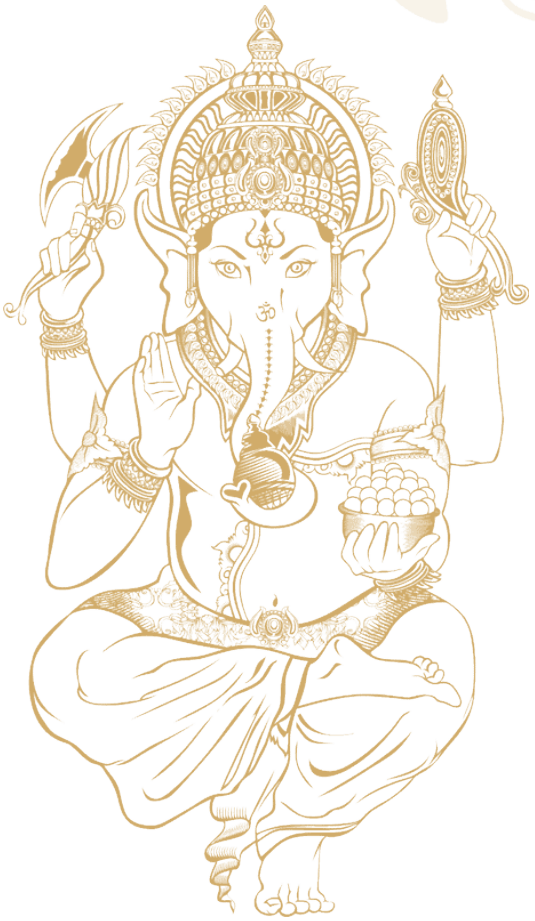

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121844902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/04/1995	जन्म तिथि	27/07/1995
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 06:15:00	जन्म समय	22:20:00 घंटे
घटी 01:22:35	जन्म समय(घटी)	41:44:50 घटी
India	देश	India
Hathras	स्थान	Hathras
27:36:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
78:02:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:52	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:57	सूर्योदय	05:38:03
18:49:24	सूर्यास्त	19:10:15
23:47:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:53

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 1मा 15दि		22:31:03	मेष	लग्न	मीन	13:50:42	शनि 7वर्ष 10मा 6दि	
शुक्र		13:29:24	मेष	सूर्य	कर्क	10:23:45	केतु	
12/06/2009		24:24:42	मीन	चंद्र	कर्क	11:09:27	02/06/2020	
12/06/2029		25:24:45	कर्क	मंगल	कन्या	09:57:15	03/06/2027	
शुक्र	12/10/2012	28:06:44	मेष	बुध	कर्क	09:57:00	केतु	29/10/2020
सूर्य	12/10/2013	20:31:09	वृश्चि व	गुरु व	वृश्चि	11:47:16	शुक्र	29/12/2021
चन्द्र	13/06/2015	13:16:58	मीन	शुक्र	कर्क	03:42:18	सूर्य	06/05/2022
मंगल	12/08/2016	27:16:16	कुंभ	शनि व	मीन	00:34:46	चन्द्र	05/12/2022
राहु	12/08/2019	11:48:38	तुला	राहु व	तुला	06:51:38	मंगल	03/05/2023
गुरु	12/04/2022	11:48:38	मेष	केतु व	मेष	06:51:38	राहु	21/05/2024
शनि	12/06/2025	06:39:28	मक	हर्ष व	मक	04:27:31	गुरु	27/04/2025
बुध	12/04/2028	01:45:22	मक व	नेप व	मक	00:04:57	शनि	06/06/2026
केतु	12/06/2029	06:02:25	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	04:03:27	बुध	03/06/2027

लग्न-चलित

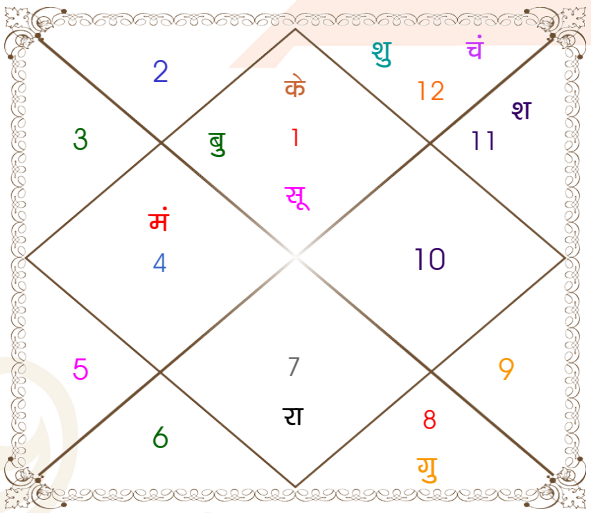

लग्न-चलित

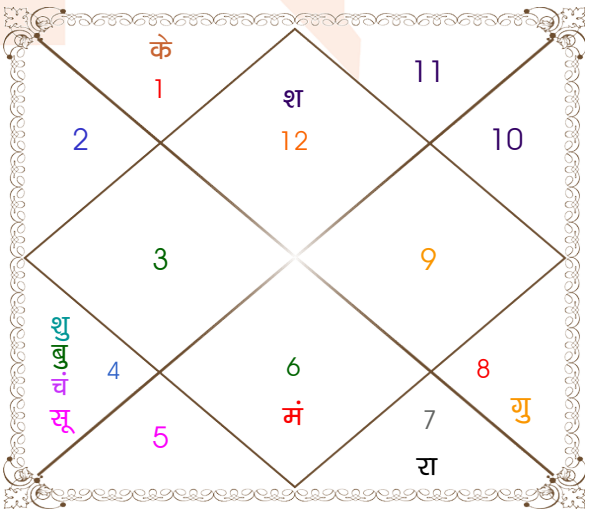

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।